**भारत सरकार**

**वस्‍त्र मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 3493**

**26 मार्च, 2018 को उत्‍तर दिए जाने के लिए**

**वस्त्र तथा अनुषंगी उत्पादों का निर्यात**

**3493. श्री कपिल सिब्बलः**

**क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या वस्त्र तथा अनुषंगी उत्पादों का निर्यात घट गया है; यदि हां, तो विगत तीन वर्षों का कारणों सहित तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उपर्युक्त अवधि के दौरान तैयार परिधानों के निर्यात में आई गिरावट अथवा बढ़ोतरी का कारणों सहित ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि सरकार ने वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए वस्त्र तथा तैयार परिधान क्षेत्र में निर्यात का 45 बिलियन डालर का लक्ष्य तय किया है, यदि हां, तो सरकार द्वारा तय लक्ष्यों तथा उपलब्ध्यिों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार निर्यात को बढ़ाने के लिए कोई योजना प्रारंभ करने की योजना बना रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्‍तर**

**वस्‍त्र राज्‍य मंत्री**

**(श्री अजय टम्‍टा)**

**(क) और (ख):** हस्‍तशिल्‍प उत्‍पादों सहित वस्‍त्र एवं अपैरल के निर्यात में मामूली गिरावट आई है तथा अपैरल के निर्यात में 2% की वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले 3 वर्षों के दौरान हस्‍तशिल्‍प सहित वस्‍त्र एवं अपैरल क्षेत्र में निर्यात का वर्ष-वार विवरण निम्‍नानुसार है:-

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **वस्‍तु** | **2014-15 (मिलियन अमरीकी डॉलर)** | **2015-16 (मिलियन अमरीकी डॉलर)** | **2016-17 (मिलियन अमरीकी डॉलर)** | **सीएजीआर** | **2017-18 (अप्रैल से जनवरी) (मिलियन अमरीकी डॉलर)** |
| हस्‍तशिल्‍प सहित वस्‍त्र एवं अपैरल | 40,404 | 39,550 | 39,665 | -1% | 32,441 |
| परिधान | 16,834 | 16,966 | 17,500 | 2% | 13,773 |

स्रोत: डीजीसीआईएस।

बांग्‍लादेश, श्रीलंका, पाकिस्‍तान तथा तुर्की जैसे प्रतिस्‍पर्धी देशों को दी गई शून्‍य शुल्‍क पहुंच की तुलना में भारतीय निर्यातकों द्वारा ईयू जैसे प्रमुख बाजारों में उच्‍चतर टैरिफ का सामना किए जाने से निर्यात निष्‍पादन प्रभावित हुआ है।

**(ग):** वर्ष 2017-18 हेतु हस्‍तशिल्‍प सहित वस्‍त्र एवं अपैरल के लिए 51.585 बिलियन अमरीकी डॉलर का लक्ष्‍य निर्धारित किया गया है। जनवरी, 2018 तक 63% निर्यात लक्ष्‍य को प्राप्‍त कर लिया गया है।

**(घ):** जी, नहीं। वस्‍त्र क्षेत्र में निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार ने निर्यात एवं रोजगार को बढ़ावा देने के लिए परिधान एवं मेड-अप्‍स हेतु पहले ही एक विशेष पैकेज की घोषणा कर दी है। राज्‍य लेवियों में छूट योजना के अंतर्गत पिछले 18 माह के दौरान परिधान एवं मेड-अप्‍स के निर्यातकों को 1955 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। मर्केंडाइज एक्‍सपोर्ट्स फ्रॉम इंडिया स्‍कीम (एमईआईएस) की दरों को अपैरल तथा मेड-अप्‍स के लिए 01 नवंबर, 2017 से 2% से बढ़ाकर 4% कर दिया गया है चूंकि इन क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा देने की अधिक क्षमता है। इसके अतिरिक्‍त अग्रिम प्राधिकार एवं निर्यात संवर्धन पूंजीगत वस्‍तु योजना (ईपीसीजी) के अंतर्गत आयात पर आईजीएसटी को छूट प्रदान की गई है। सरकार, वस्‍त्र क्षेत्र के लिए लदान पूर्व एवं लदान पश्‍चात ऋण के लिए ब्‍याज आर्थिक सहायता भी उपलब्‍ध करा रही है तथा बाजार पहुंच पहल (एमएआई) योजना के अंतर्गत निर्यातकों को सहायता प्रदान करती है।

\*\*\*\*\*